

>

Title: Need to stop the illegal import of Chinese products swarming the markets in the country and posing serious threat to the domestic industry.

**श्री दत्ता मेये (वर्धी) :** मैं सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि हमारे घरेलू बाजार में चीन का दिन ब दिन बढ़ता प्रभाव विंता का विषय बन गया है। हमारे देश की अर्थव्यवस्था पर दिनों दिन बुरा असर पड़ रहा है, कुछ अखबारों में प्रकाशित खबरों के अनुसार सन् 2014–15 में भारत का 75 प्रतिशत उत्पाद चीन से मंगाए गए सामान पर आधित होगा, वर्तमान समय में यह 26 प्रतिशत चीन पर निर्भर है।

भारत के कल-कारखानों में जो सालाना उत्पाद है उसका जीडीपी 304 अरब डॉलर है। इसमें से 80 अरब डॉलर का उत्पाद चीन से किए गए आयात पर निर्भर है। इसका मतलब है कि चीन के साथ व्यापार में भारत आज घाटा उठा रहा है। चीन से हम ज्यादा सामान आयात करते हैं और इसकी तुलना में चीन को निर्यात कर करते हैं। अगर इसी तरह चलता रहा तो 2014–15 तक इसके घटे के रिकार्ड रुतर पर पहुंचने के आसार हैं।

अभी हाल ही में हमारी सरकार ने चीन के कई उत्पादों पर आयात करने पर पाबंदी लगाई है, किन्तु चीन के उत्पादों के अन्य देशों के उत्पादों से सरते होने के कारण देश में इनकी भारी मांग है जिस कारण अवैध रूप से यह सरता सामान हमारे बाजारों में खुले आम लिक रहा है। मुख्यतः यह सामान तीज त्यौहारों के समय पर हमारे पड़ोसी देशों से तरकरी के गरते पहुंचता है, जिस कारण हरेलू उत्पादकों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

मेरा सरकार से यह निवेदन है कि समय रहते देश के छोटे उद्योगों को बचाने के लिए तथा हमारे पड़ोसी देशों से हो रही तरकरी को रोकने के लिए सख्त कदम उठाएं और साथ ही साथ चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए केन्द्र कोई ठोस रणनीति बनाएं, जिससे हमारे देश की औद्योगिक प्रगति में कोई बाधा न आये।